Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 46 , 09 नवम्बर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

लखनऊ में कांग्रेस मनाएगी काला दिवस,निकालेगी कैंडल मार्च

लखनऊ। नोटबंदी के एक वर्ष पूरा होने पर कांग्रेस बुधवार को 'काला दिवस' मनाएगी। कांग्रेस कार्यकर्ता काली पट्टी बांधकर प्रदेशव्यापी प्रदर्शन करेंगे। लखनऊ में शाम सात बजे प्रदेश अध्यक्ष राजबब्बर के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला जाएगा। प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नोटबंदी का फायदा दिखाने के लिए 50 दिन का समय मांगा लेकिन ऐसा किया नहीं। नोटबन्दी से देश की अर्थव्यवस्था को हुए व्यापक नुकसान, बढ़ती बेरोजगारी, नोटबन्दी के दौरान आम जनता द्वारा दी गई कुर्बानी, किसानों और आम जनता को हुई परेशानियों को लेकर कांग्रेस आठ नवम्बर को प्रदर्शन करेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देश दिए हैं कि हर जिला/शहर कांग्रेस कमेटियां दिन में बैठकें, नुक्कड़ सभाएं करके नोटबन्दी से होने वाले नुकसान के बारे में आम जनता को जागरूक करेगी और शाम सात बजे से नोटबन्दी के दौरान हुई दिक्कतों से मरने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए मोमबत्ती जुलूस निकालेगी। नोटबंदी के एक साल:जानिए देश ने इस फैसले से क्या खोया और क्या पाया उन्होंने कहा कि कांग्रेस नोटबन्दी के दौरान 'बलिदान' देने वाले परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देने व मृतक के परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग करेगी। यदि मृतक के परिवार की बेटी की शादी है तो उसकी पूरी व्यवस्था कराये जाने से सम्बन्धित प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। लखनऊ में शाम सात बजे कांग्रेस कमेटी मुख्यालय से जीपीओ तक मोमबत्ती जुलूस निकाला जाएगा।

नोटबंदी पर केन्द्र सरकार का जश्न मनाना जनता का उपहास

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नोटबंदी के एक साल पूरा होने पर केन्द्र सरकार द्वारा जश्न मनाने को देश की जनता का उपहास करार दिया है। उन्होंने कहा नोटबंदी ने देश में आर्थिक संकट खड़ा किया और गरीब जनता के परेशानियां बढ़ायीं।श्री यादव ने मंगलवार को यहां जारी अपने बयान में कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीती 8 नवम्बर 2016 को अचानक नोटबंदी कर दी। इसने देश में निर्माण उद्योग को पूरी तरह ठप कर दिया। इस उद्योग में लगे लाखों मजदूर बेरोजगार हो गये। बड़ी कम्पनियों ने अपने यहां छटनी कर दी। देश की विकास दर में भारी गिरावट आई है। सपा अध्यक्ष ने कहा जिस नोटबंदी के दौर में दर्जनों लोगों की जानें चली गयीं। लोगों के शादी ब्याह और अंतिम संस्कार तक में अडचनें पैदा हो गयीं। मध्यम वर्गीय तथा अल्प वर्ग वाले परिवारों का बजट भी बिगड़ गया। उसको लेकर भाजपा सरकार ''जश्न' मनाकर देश की जनता का उपहास उड़ा रही है।श्री यादव ने कहा कि वे शुरू से ही कहते आ रहे हैं कि रुपया काला-सफेद नहीं होता है, लेन-देन काला सफेद होता है। प्रधानमंत्री ने कालेधन का हौवा खड़ा किया पर स्वयं रिजर्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि जो नोट उसने जारी किए थे उसमें से 99 प्रतिशत वापस आ गए हैं। आतंकी गतिविधियां रोकने के दावों की हकीकत यह है कि कश्मीर घाटी में पहले से ज्यादा आतंकी घटनाएं घटी है। नक्सली गतिविधियां भी थमी नहीं है। पृथकतावादी जगह-जगह सिर उठा रहे हैं।

शहाबुद्दीन हत्याकांड का खुलासा, 3 गिरफ्तार

ब्यूरोबुलंदशहर। आलाकत्ल व हत्या में प्रयुक्त कार बरामद सकिंद्राबाद पुलिस ने शहाबुद्दीन हत्याकांड मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आलाकत्ल तथा हत्या में प्रयुक्त कार बरामद कर आरोपियों को जेल भेज दिया।पुलिस अधीक्षक नगर प्रवीन रंजन ने बताया कि गत दो नवम्बर को कोतवाली सकिंद्राबाद क्षेत्र के ग्राम तिलबेगमपुल निवासी बाबू खां ने थाना पर अपने भाई शहाबुद्दीन के गत पहली नवम्बर से संदिग्ध परिस्थिति में गायब हो जाने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पुलिस ने शहाबुद्दीन का शव जिला गौतमबुद्धनगर के थाना जारचा क्षेत्र से बरामद कर उक्त मुकदमा हत्या में तब्दील कर मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस की विवेचना में शहाबुद्दीन हत्याकांड में चार युवकों के नाम प्रकाश में आये। इसी कड़ी में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गुलावठी हाईवे पर बने फ्लाईओवर के पास से जिला गौतमबुद्धनगर के थाना जारचा क्षेत्र के ग्राम खटाना निवासी सचिन व कुलदीप तथा थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम कैमराला निवासी हरबीर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आलाकत्ल के अलावा हत्या में प्रयुक्त मारुति कार बरामद की है।

जेसीबी ने डेम्पो में मारी टक्कर, महिला की मौत

कोहरे में तीन बसें व सेना का ट्रक भिड़ा, 12 घायल

हापुड़। ग्रेटर नोएडा (एसएनबी)। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार देर शाम एक तेज रफ्तार जेसीबी ने सवारियों से भरे टेम्पो में टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि सात महिलाएं गम्भीर रूप से घायल हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों में तुलसी विहार दनकौर निवासी कुसुम, सुनीता, रीना, वीरवती, अंजनी व लौंगश्री हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित एक निजी कंपनी में नौकरी करती थीं। सोमवार देर शाम सभी एक टेम्पो में सवार होकर दनकौर जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में जेसीबी ने टेम्पो में टक्कर मार दी। सवारियों से भरा टेम्पो अनियंत्रित होकर पलट गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पो क्षतिग्रस्त हो गया। टेम्पो में सवार आठ महिलाएं घायल हो गई। पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को दनकौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। महिला रेखा पत्नी दिनेश की हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने कैलाश अस्पताल रेफर कर दिया जहां उसकी मौत हो गई। घायल सात महिलाओं का इलाज दनकौर के एक अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने हाइवे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया तब यातायात सुचारु हो सका मंगलवार तड़के घने कोहरे में सदर कोतवाली क्षेत्र में एनएच-24 बाईपास पर एक रोडवेज, दो प्राइवेट बस व आर्मी का ट्रक आपस में भिड़ गए।

हादसे में एक आर्मी जवान समेत 12 यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को बसों से निकालकर एम्बुलेंस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने हाइवे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका।पिछले तीन दिन से सुबह हल्का कोहरा पड़ रहा था। मंगलवार तड़के घना कोहरा पड़ना शुरू हो गया। जिसके चलते चालकों को वाहन चलाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। घने कोहरे से कोतवाली क्षेत्र के एनएच-24 बाईपास पर दो प्राइवेट, रोडवेज व आर्मी का ट्रक आपस में भिड़ गए। हादसे में वाहनों में सवार यात्री व एक आर्मी जवान घायल हो गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला। पुलिस ने घायल उषा निवासी गांव रसूलपुर, प्रवेश निवासी गांव बनखंडा, शौकत गढ़मुक्तेश्वर, आरुस बनखंडा, कविता गांव रसूलपुर समेत 12 लोग घायल हो गए। पुलिस ने एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना से बाईपास पर भीषण जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर सड़क किनारे खड़ा करवाया जिसके बाद यातायात सुचारु हो सका।

35 साल पुराने मामले में चंचल जौनपुर में गिरफ्तार, भेजे गए जेल

जौनपुर। बीएचयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष और समाजवादी चिंतक चंचल सिंह 35 वर्ष पुराने मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिये गए। पुलिस ने उन्हें अपर मुख्य न्यायाधीश पंचम अमर सिंह की कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। चंचल पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप है। 1982 में तत्कालीन अतिरिक्त जिलाधिकारी बदलापुर टीडी गौड़ के साथ कहासुनी के बाद खुद अधिकारी ने धारा 353 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।

मामला 2 मार्च 1982 का है। अतिरिक्त जिलाधिकारी बदलापुर टीडी गौड़ विकास खण्ड अधिकारी महराजगंज के कार्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान एक समस्या को लेकर पहुंचे चंचल और टीडी गौड़ में कहासुनी हो गई थी। उनके खिलाफ दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक चंचल सिंह कार्यालय में घुसे और अपने को छात्रसभा का आल इंडिया प्रेसिडेंट बताते हुए बवाल किया। गौड़ ने चंचल को पुलिस की सुपुर्दगी में देते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने विवेचना करके 13 अप्रैल 1982 को चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। 5 जून 1984 को चंचल की अनुपस्थिति के कारण बेल बांड निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद से लगातार चंचल अनुपस्थित रहे। बुधवार को बदलापुर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। चंचल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत सिंह ने वारंट निरस्तीकरण प्रार्थनापत्र दिया। कोर्ट ने प्रार्थनापत्र निरस्त कर चंचल को जेल भेज दिया। चंचल पूर्व रेलमंत्री जार्ज फर्नांडिस के निजी सचिव भी रहे। इस समय कांग्रेस में होने के साथ ही स्वतंत्र पत्रकारिता भी करते हैं।

चंचल ने गिरफ्तारी को राजनीति से प्रेरित बताया

जौनपुर। जेल भेजे जाने से पूर्व चंचल ने बातचीत में अपनी गिरफ्तारी को राजनीति से प्रेरित बताया। कहा कि हाल ही में बीएचयू में हुए बवाल के दौरान उनकी सक्रियता से प्रशासन खौफ खाया हुआ था। चंचल की मानें तो 1982 में वह अपने गृह निवास महराजगंज ब्लाक के मुख्यालय पर बैठकर चाय पी रहे थे। इतने में उनके एक परिचित भारत यादव पहुंच गये। उन्हें सीमेंट के लिए परमिट चाहिए था। उस दौरान परमिट केवल मजिस्ट्रेट देते थे। जब अतिरिक्त कलेक्टर टीडी गौड़ क्षेत्र का मुआयना करने पहुंचे तो परमिट को लेकर उनसे बातचीत की। इसी दौरान कहासुनी हो गई और मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया। बाद में समझौता हो गया तो मान लिया था कि केस खत्म हो गया है।

एक्सप्रेस-वे पर पहले टकराईं दो गाड़ियां

आगरा। बुधवार सुबह दिल्ली एनसीआर, नोएडा, पश्चिमी यूपी, ग्रेटर नोएडा में कोहरे की चादर बिछ गई। इस धुंध की वजह से आज कई बड़े हादसे होते होते बचे। आगरा, यमुना एक्सप्रेस वे पर कई वाहन आपस में टकरा गए। इन हादसों में कई लोग घायल भी हुए हैं। मेरठ, ग्रेटर नोएडा में आज सुबह दो हादसे हुए जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। यमुना एक्सप्रेस वे पर कोहरे के कारण एक के बाद एक 10 वाहन आपस में टकरा गए। इसमें छह लोग घायल हो गए। घायलों को कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी ही हालत ठीक है। जीरो प्वाइंट से 10 किलोमीटर दूर दनकौर के पास आगरा से नोएडा की तरफ आते समय बुधवार सुबह हादसा हुआ। इस हादसे में एक के बाद 10 गाड़ियां टकरा गईं। इसमें 6 लोग घायल हुए हैं। सभी को कैलाश अस्पताल लाया गया। लोगों को मामूली चोट लगी है। कैलाश अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सभी छुट्टी देने की तैयारी है। हादसे का शिकार लोग दिल्ली के बताए जा रहे हैं। बताया जाता है कि जब दो वाहन टकराए तो इसकी सूचना यमुना एक्सप्रेस वे और पुलिस को दी गई। लेकिन कोई समय पर नहीं पहुंचा। अगर समय पर पहुंच जाते इतने वाहन एक साथ टकराने से बच जाते। मथुरा के अलावा नन्दगांव, बरसाना, कोसी आदि देहात के इलाके भी सुबह कोहरे की गिरफ्त में रहे।

मांगों को लेकर हरियाणा कर्मचारियों का प्रदर्शन

फरीदाबाद। हरियाणा कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर सरकार की वादाखिलाफी से खफा कर्मचारियों ने मंगलवार को प्रदर्शन कर जेल भरो अंदोलन में भाग लिया। आन्दोलन का नेतृत्व कर रहे बिजली विभाग के फरीदाबाद सर्कल सचिव सन्तराम लाम्बा ने बताया कि पिछले दिनों अगस्त में हुई कर्मचारियों की महारैली के दौरान प्रदेश के मुखिया ने सौंपे गए मांगपत्र में से कुछ मांगों पर सहमति जताई थी लेकिन प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों से किए गए वादे के अनुसार मांगों को लागू नहीं किया।

15 साल की उम्र में हुआ था एसिड अटैक,

अस्पताल में मिला सच्चा प्यार

नई दिल्ली। प्यार किसी की सूरत से नहीं होता, प्यार सीरत देखकर किया जाता है। यह बात सरोज साहू ने साबित कर दी है। प्रमोदिनी 15 साल की थी जब उनपर एसिड अटैक हुआ था। इस हादसे में प्रमोदिनी अपनी दोनों आंखें गंवा बैठीं और उनका चेहरा गंभीर रूप से झुलस गया था। दरअसल जब वह 15 साल की थी तब एक अर्द्ध सैनिक बल के सैनिक ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था। जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। इस बात से नाराज होकर उस शख्स ने उनके चेहरे पर एसिड फेंक दिया था। प्रमोदिनी के चेहरे की सर्जरी करने के लिए डॉक्टरों ने उनके पैर के मांस का इस्तेमाल किया। एक बार तो आधे-अधूरे ट्रीटमेंट के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया, जिसके चलते उनके पैर में इंफेक्शन हो गया। पैर में भरे पस का इलाज कराने के लिए वो एक बार फिर अस्पताल पहुंच गई और इस दौरान उनकी मुलाकात सरोज कुमार साहू से हुई, सरोज अस्पताल की एक नर्स के दोस्त थे। डॉक्टरों ने प्रमोदिनी की मां को बताया कि

प्रमोदिनी के चेहरे की सर्जरी करने के लिए डॉक्टरों ने उनके पैर के मांस का इस्तेमाल किया। एक बार तो आधे-अधूरे ट्रीटमेंट के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया, जिसके चलते उनके पैर में इंफेक्शन हो गया।

उन्हें चलने में कम से कम चार साल लगेंगे। इस बात को सुनकर मां के सब्र का बांध टूट गया और वो फूट-फूट कर रोने लगी। उन्हें इस तरह रोता देखा सरोज ने उन्हें ढांढस बंधाया। शुरुआत में प्रमोदिनी और सरोज एक-दूसरे बात तक नहीं करते थे। सरोज रोज़-रोज़ अस्पताल जाते और प्रमोदिनी को दिलासा देते। फिर एक दिन सरोज ने अपनी नौकरी छोड़ दी और दिन के आठ घंटे वो अस्पताल में प्रमोदिनी की सेवा करते रहे और धीरे-धीरे दोनों में प्रेम हो गया। सरोज और प्रमोदिनी पिछले एक साल दिल्ली में साथ-साथ रह रहे हैं और जल्द से जल्द शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

बैंक खाता लिंक कराने के नाम पर 29 हजार ठगे

युवक के खाते से जालसाज ने निकाले 74 हजार

नोएडा। थाना कविनगर के बम्हैटा गांव निवासी एक युवक के खाते से जालसाज ने 74 हजार रपए निकाल लिए। पीड़ित को उसके मोबाइल पर आए एसएमएस द्वारा घटना का पता चला। पीड़ित का आरोप है कि इस मामले में उसके द्वारा बैंक प्रबंधन व पुलिस दोनों को प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है। लेकिन कहीं भी जांच के लिए सुनवाई नहीं हुई है। वह काफी समय से पुलिस व बैंक के चक्कर काट रहा है। एसएसपी हरिनारायण सिंह को दिए गए प्रार्थना पत्र में दीपक यादव ने बताया कि उसका खाता यूनियन बैंक आफ इंडिया की शाखा में है। कुछ दिन पूर्व उसके मोबाइल पर एक एसएमएस आया कि उसके खाते से तीन बार में एटीएम द्वारा 74 हजार रपए निकाले गए हैं जबकि एटीएम उसके पास था। मामले की जानकारी के बाद पहले वह बैंक पहुंचा और प्रबंधक से मिला। प्रबंधक द्वारा प्रार्थना पत्र तो स्वीकार कर लिया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसने एसएसपी को 23 अक्टूबर को प्रार्थना पत्र दिया। एसएसपी ने प्रार्थना पत्र पर मामले की जांच के आदेश दिए। लेकिन तब से लेकर अबतक वह एसएसपी दफ्तर के चक्कर काट रहा है। अभी तक पुलिस द्वारा प्रार्थना पत्र को जांच के लिए थाने व एसओजी टीम को नहीं भेजा गया है। इस संबंध में एसएसपी के पीआरओ सक्सेना ने बताया कि एसएसपी के पास सैकड़ों प्रार्थना पत्र आते हैं। जिन्हें संबंधित विभाग को भेज दिया जाता है। जांच करने के बाद ही कुछ कहा जाएगा। मेडिकल की छात्रा से मोबाइल नंबर और बैंक खाते को आधार कार्ड से लिंक कराने के नाम पर 29 हजार रु पए ठग लिए। छात्रा का आरोप है कि आरोपी ने उन्हें फोन कर घर बैठे मोबाइल नंबर और बैंक खाते को आधार कार्ड से लिंक कराने का झांसा दिया था। छात्रा ने मामले की शिकायत कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस से की है। मूलरूप से मऊ निवासी आयशा हिंडन विहार में अपने रिश्तेदार के यहां रहती हैं। वह ग्रेटर नोएडा के एक कॉलेज से बीफार्मा की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम वह घर पर थीं तभी उनके मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि आपने अभी तक मोबाइल नंबर और बैंक खाते को आधार से लिंक नहीं कराया है। अगर आप घर बैठे मोबाइल नंबर और बैंक खाते को आधार से लिंक कराना चाहती हैं तो आपको पूरी डिटेल बतानी होगी। आयशा ने बताया कि आरोपी ने झांसे में लेकर उनसे मोबाइल नंबर, बैंक खाते के साथ एटीएम कार्ड की डिटेल ले ली। डिटेल मिलने पर आरोपी ने फोन काट दिया। फोन कटने के बाद उनके मोबाइल पर खाते से पांच बार में 29 हजार रु पए निकलने का मैसेज आया। उन्होंने अपना खाता और एटीएम कार्ड दोनों को ब्लॉक करा दिया है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कठपुतली कालोनी के ध्वस्तीकरण पर सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी

पूरी दिल्ली अनधिकृत : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पश्चिमी दिल्ली की कठपुतली कालोनी में चल रहे ध्वस्तीकरण के संबंध में एक अर्जी पर सुनवाई के दौरान मंगलवार को कहा कि पूरी दिल्ली अनधिकृत है।

यह टिप्पणी कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की एक पीठ ने उस वक्त की, जब क्षेत्र के कुछ निवासियों का प्रतिनिधित्व कर रहे एक एनजीओ ने कहा, हाईकोर्ट के 31 अक्टूबर और 1 नवम्बर के आदेशों का उल्लंघन करते हुए झुग्गियों को ध्वस्त किया गया।

हाईकोर्ट ने अपने दोनों आदेशों में दिल्ली विकास प्राधिकरण को ऐसे व्यक्तियों की झुग्गियां नहीं गिराने का निर्देश दिया था जो भू-एजेंसी के नियमों के तहत पुनर्वास के योग्य नहीं हैं।एनजीओ ने दावा किया था कि हाईकोर्ट के निर्देशों का डीडीए द्वारा सख्ती से अनुपालन नहीं किया गया। उसने पीठ के समक्ष यह भी आरोप लगाया कि उसके उस आदेश का भी डीडीए द्वारा अनुपालन नहीं किया गया जिसमें उसने एनजीओ के तीन सदस्यों को पुनर्वास के लिए अयोग्य लोगों की झुग्गियों की पहचान के लिए क्षेत्र का दौरा करने की इजाजत दी थी।

तीन सदस्यीय समिति की एक महिला कार्यकर्ता ने अदालत में आरोप लगाया कि मौके पर कुछ पुरुषों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया।

इस पर पीठ ने क्षेत्र के एसएचओ को तीन सदस्यीय समिति के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

अदालत ने इसके साथ ही अपने पहले के आदेश को दोहराया कि उसके दिशानिर्देशों का सख्त अनुपालन होना चाहिए। इसके साथ ही पीठ ने मामले को 16 नवम्बर को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

अदालत ने गत 31 अक्टूबर को स्थल पर ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी थी लेकिन अगले दिन अपने आदेश में संशोधन करते हुए डीडीए को ऐसी झुग्गियों को ढहाने की इजाजत दी थी जिसके निवासी पुनर्वास के लिए योग्य हैं और स्वेच्छा से कठपुतली कालोनी से यहां नरेला और आनंद पर्वत शिविरों में चले गए हैं।

दान और युद्ध को समान कहा जाता है। थोड़े भी बहुतों को जीत लेते हैं। श्रद्धा से अगर थोड़ा भी दान करो तो परलोक का सुख मिलता है -जातक कथा

गैरकानूनी कार्य

पैराडाइज दस्तावेजों के रूप में जो कुछ हमारे सामने आया है, उसमें यदि सच्चाई है तो यही कहा जा सकता है कि दुनिया भर में ऐसे लोग हैं, जो कर बचाने के लिए उन देशों की कंपनियों में निवेश करते हैं या वहां कंपनियां बना लेते हैं जहां या तो कर नहीं लगता या मामूली कर लगता है। ऐसा करने वालों को अनैतिक तो कहा जा सकता है, लेकिन उन्होंने कानून का उल्लंघन किया ही है, ऐसा कहना जरा मुश्किल है। वैसे पनामा दस्तावेजों की जांच कर रहे बहु एजेंसी समूह (एमएजी) को ही इसकी भी जांच सौंप दी गई है। यह केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष की अध्यक्षता वाला समूह है, जिसमें सीबीडीटी के दूसरे अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, रिजर्व बैंक और वित्तीय खुफिया इकाई के प्रतिनिधि शामिल हैं। हालांकि अभी तक बरमूडा की विधि सलाहकार कंपनी के कम्प्यूटर रिकॉर्ड से निकाले गए इन दस्तावेजों से बहुत कुछ साफ नहीं होता है। इसमें दुनिया भर की अनेक क्षेत्रों की हस्तियों के साथ 714 भारतीयों के नाम भी शामिल हैं। किंतु इसमें किसी मामले का पूरा ब्योरा उपलब्ध नहीं है। इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इनवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) ने ही पनामा दस्तावेज भी लीक किए थे और उसी ने पैराडाइज दस्तावेज भी सामने लाया है और वही जर्मन अखबार जीटॉयचे साइटुंग ने इसे छापा है। किंतु आईसीआईजे की वेबसाइट ने भी सभी इकाइयों के नाम और ब्योरे जारी नहीं किए हैं। अगर वाकई इसमें 1 करोड़ 34 लाख दस्तावेज हैं तो फिर इनके अध्ययन में काफी समय बीतेगा। दस्तावेज प्रकाशित करने के साथ ही उसमें यह स्पष्टीकरण देना कि विदेशों में कंपनियों या न्यासों के पंजीकरण वैध कायदे से भी किया जाता है और इसमें किसी नाम आने का मतलब यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति या इकाई ने कानून का उल्लंघन किया ही है, इसकी धार को भोथरा कर देता है। वस्तुत: इस एक पंक्ति के स्पष्टीकरण से पूरा मामला कमजोर हो जाता है। चूंकि इस दस्तावेज में भाजपा एवं कांग्रेस नेताओं के नाम हैं, इसलिए यह राजनीतिक रूप से बड़े बवंडर का कारण नहीं बनेगा। जिन्होंने गैरकानूनी कार्य किया है, उनको सजा मिले और जिन्होंने कानूनी होते हुए भी केवल धन बचाने के लिए अनैतिक किया है, वे देश को जवाब दें कि ऐसा उन्होंने क्या किया। हर देश को यह अधिकार है कि वह अपने देश में कितना कर ले या कर न ले; इसके लिए किसी को मजबूर नहीं किया जा सकता है।

''माई'

आरक्षण को लेकर एक बार फिर बिहार चर्चा में है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निजी क्षेत्र की कंपनियों में पिछड़ों को आरक्षण देने की वकालत की है। ऐसा कर उन्होंने एक बार फिर ओबीसी को आरक्षण और इसी बहाने सियासी लाभ-हानि का राग भी छेड़ दिया है। ऐसा नहीं है कि नीतीश ने पहली बार ऐसी मांग की है। 2016 में भी उन्होंने निजी क्षेत्रों में पिछड़ों के लिए आरक्षण देने की बात कही थी। हालांकि उनसे पहले पूर्व लोक सभा अध्यक्ष मीरा कुमार, लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के उपेंद्र कुशवाहा निजी कंपनियों में आरक्षण की मांग कर चुके हैं। लेकिन नीतीश के इस विचार में पिछड़ा वर्ग की सहानुभूति के साथ-साथ सूबे में तेजी से बदल रही सियासी आबोहवा की भी अहम भूमिका है। खासकर राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के साथ पिछड़ों का सबसे ताकतवर तबका यादव और मुस्लिम वर्ग मजबूती के साथ जुड़ा हुआ है। और इन दोनों समुदाय यादव (14) और मुस्लिम (16) का प्रतिशत 30 है। साथ ही, 2015 में विधान सभा चुनाव में अतिरिक्त पिछड़ा वर्ग की भी अच्छी-खासी संख्या महागठबंधन के साथ थी। जाहिर है नीतीश के लिएयह चिंता का सबब है। सो, उन्होंने लालू के नजदीक जा चुके अतिरिक्त पिछड़ा वर्ग जिनमें कोइरी (5 फीसद), कुर्मी (4 फीसद) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (23 फीसद) को अपने पाले में लाने पर गंभीरता से सोचने-विचारने के बाद यह उद्गार व्यक्त किया है। चूंकि बिहार में राजनीति का पासा जातीय गोलबंदी की परख के बाद ही फेंका जाता है। नीतीश इस तय को भी बेहतर तरीके से जानते-समझते हैं कि यादव और मुस्लिम यानी ''माई' वर्ग को लालू से अलग करना नामुमकिन है। यही वजह है कि नीतीश ने आरक्षण का नया दांव खेला है। वैसे भी नीतीश सरकार में उपेक्षित दो दलित नेताओं ने पिछले दिनों नीतीश सरकार के कामकाज पर अंगुली उठाई थी। उनको भोथरा करने के लिए भी नीतीश ने यह मास्टर स्ट्रोक चला है। देखना है, नीतीश के इस ''आरक्षण चक्र' का बिहार के साथ राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर क्या असर दिखता है? तब तक बहस के बहाने कई सियासी फिजां के बदलने का इंतजार रहेगा।

सत्संग

''अरे आप तो बेहद बुद्धिमान हैं!'

क्यों होता है कि जिस चीज को आप पाना चाहते हैं, एक पल में तो आप उसे बहुत करीब महसूस करते हैं और अगले ही पल वह दूर महसूस होने लगता है? इसकी वजह है आज की दुनिया में हमारे मन को ठीक से संचालित करने पर कोई काम ही नहीं हुआ है। अपनी शिक्षा व्यवस्था से लेकर अपने मन को सिर्फ सूचनाओं से भर रहे हैं। अगर आपके पास दूसरों की तुलना में जरा भी ज्यादा जानकारी हुई तो लोग आपको स्मार्ट समझते हैं। अगर आप बेवजह अपने सिर पर बहुत सारा सामान लेकर चलते हैं तो आमतौर पर लोगों को आपको मूर्ख समझना चाहिए, लेकिन इस मामले में, यानी मन में बेवजह (जानकारी के रूप में) ढेर सारी चीजें ढोने पर लोग आपको स्मार्ट समझते हैं। आज की दुनिया में तो आपको किसी भी चीज की जानकारी के लिए बस अपने फोन में झांकना है और फिर अपने पास से गुजरते किसी आदमी को आकाशगंगा जैसी चीजों के बारे में कुछ बता देना है। सामने वाला खुद ही बोल पड़ेगा, ''अरे आप तो बेहद बुद्धिमान हैं!' लेकिन दुर्भाग्य से यहां आप नहीं, बल्कि आपका फोन बुद्धिमान है। आज जानकारी को बुद्धिमानी समझा जाता है जिसे कोई भी मूर्ख हासिल कर सकता है। आप कोई किताब खोल लीजिए और पढ़ लीजिए। लंबे समय तक लोग सोचते रहे कि किताब पढ़ना ही धर्म है। यहां तक कि आज भी कई लोग ऐसा ही सोचते हैं। अगर कोई भी व्यक्ति साक्षर है तो वह किताब पढ़ सकता है। जब साक्षरता दुर्लभ बात थी, पूरे गांव में सिर्फ एक ही व्यक्ति पढ़-लिख सकता था, जिसे देख कर लोग उस समय हैरत में पड़ जाते थे कि यह इंसान सिर्फ एक किताब में देखकर इतनी सारी बातें बता सकता है, लेकिन जब वे लोग उस किताब में देखते थे तो उनको कुछ समझ नहीं आता था। उन्हें यह चीज बड़ी अद्भुत लगती थी। अब हम मौजूदा दौर की ओर लौटते हैं, आज हमारी शिक्षा व्यवस्था में जिस चीज की कमी खल रही है, वो यह है कि यह हमारे मन की प्रकृति पर ध्यान नहीं दिया जाता और यह नहीं सिखाया जाता कि कैसे हमें इसे संभालना चाहिए, कौन से वे बुनियादी अनुशासन हैं जिसे हमें अपने भीतर लाने की कोशिश करनी चाहिए। यही वजह है कि आप जिस चीज के लिए कोशिश कर रहे होते हैं, एक पल में वह आपको नजदीक व वास्तविक लगने लगती है, लेकिन कुछ देर बाद ही वह फिर एक खोखले वादे सा लगने लगती है।

''काले धन' से निजात

वह दुखद घटना उन्हें आज भी भुलाए नहीं भूलती। 31 अक्टूबर, 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या का दिन भी ऐसा ही है, जो भुलाए नहीं भूलता। उस दिन के साक्षी रहे हममें से अधिकांश लोगों को आज भी उस दुखद दिन का पल-पल याद है। आज भी मैं उस दिन की प्रत्येक घटना या बातों को नहीं भूला हूं। बीते वर्ष 8 नवम्बर भी ऐसा ही एक दिन है, जो हममें से अधिकांश लोगों के मन-मस्तिष्क में इसी प्रकार से अंकित हो चुका है। मैं सिकन्दराबाद में अपने मित्रों के साथ घर पर था, और इस खबर को लेकर रोमांचित था कि प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करने वाले थे। मैं और मेरे मित्र टीवी के पास सिमट आए थे, और हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा सुनी।

सतीश पेडणोकर

रिसर्च सब्रे के मुताबिक, 1955 में या उससे पूर्व जन्मे 95% अमेरिकियों का कहना था कि उन्हें अच्छे से याद है कि केनेडी की हत्या किए जाने के समय वे कहां थे, या क्या कर रहे थे। वह दुखद घटना उन्हें आज भी भुलाए नहीं भूलती। 31 अक्टूबर, 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या का दिन भी ऐसा ही है, जो भुलाए नहीं भूलता। उस दिन के साक्षी रहे हममें से अधिकांश लोगों को आज भी उस दुखद दिन का पल-पल याद है। आज भी मैं उस दिन की प्रत्येक घटना या बातों को नहीं भूला हूं। बीते वर्ष 8 नवम्बर भी ऐसा ही एक दिन है, जो हममें से अधिकांश लोगों के मन-मस्तिष्क में इसी प्रकार से अंकित हो चुका है। मैं सिकन्दराबाद में अपने मित्रों के साथ घर पर था, और इस खबर को लेकर रोमांचित था कि प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करने वाले थे। मैं और मेरे मित्र टीवी के पास सिमट आए थे, और हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की घोषणा सुनी : प्यारे भाइयों और बहनों, भ्रष्टाचार और काले धन की कमर तोड़ने के लिए हमने फैसला किया है कि अभी प्रचलित पांच सौ और एक हजार रुपये के करंसी नोटों की आज आधी रात यानि 8 नवम्बर, 2016 के बाद से कोईवैधानिक मान्यता शेष नहीं रहेगी।

' मेरे पास एक हजार और पांच सौ रुपये के जितने भी नोट थे, उस समय मेरी जेब में थे। कोई ज्यादा नहीं थे, लेकिन इस सच्चाई से ही मेरी कंपकंपी छूट गई कि अब वे मात्र कागज के टुकड़े भर रह जाएंगे। यह भी महसूस हुआ कि बैंक में मेरी हफ्तावार बचत का मोल मात्र चार हजार रुपये रह गया है। एकाएक मैं न केवल लुटा-पिटा बल्कि अपमानित भी महसूस करने लगा। हमारे साथ उस रोज रात के खाने पर मौजूद लोगों में एक ऐसा भी था, जो काफी धनी-मानी था। लेकिन उसके चेहरे पर शिकन तक न थी।

मैं उससे पूछ बैठा कि उसे इस फैसले से क्या कोई झटका नहीं लगा? उसका उत्तर था कि आप जैसा तो नहीं। फिर उसने जो कहा उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। उसने कहा कि जिनके पास ''दो नम्बर' का पैसा है, वे मूर्खता से पैसे वाले नहीं बन बैठे हैं। जिस पैसे पर कर चोरी की गई होती है, उसे किसी दूसरे रूप में या देश की वित्तीय पण्राली की पहुंच से बाहर रखा जाता है। जो मुझे पता चला वह सही ही था क्योंकि शोधों से भी बराबर पता चलता रहा है कि हर साल अघोषित आय का करीब आधा हिस्सा संपत्तियों में निवेश कर दिया जाता है, और करीब 44-46ब को स्वर्ण और आभूषणों और विदेश में बेनामी संपत्तियों में खपा दिया जाता है। मात्र 4-6% हिस्से को ही नकदी के रूप में रखा जाता है। सरकार ने एकाएक विमुद्रीकरण करके पण्राली से लगभग 87ब नकदी यानि 15.44 लाखकरोड़ रुपये सोख लिए। प्रधानमंत्री ने जब घोषणा की कि नोटबंदी से देश को ''काले धन' से निजात मिल जाएगी तो समूचे राष्ट्र ने इसका स्वागत किया। सरकार ने नोटबंदी का यह कारण भी गिनाया कि जाली नोटों को खत्म करने के साथही आतंकियों को पैसा मिलने के संजाल को तोड़ना चाहती है। सही है कि एक हजार करोड़ रुपये की जाली मुद्रा की समस्या देश को दरपेश थी। 2014-15 में इसमें करीब 22ब का इजाफा हुआ। 2015-16 में पांच सौ रुपये के 415 तथा सौ रुपये के 35ब नोट जाली थे, जबकि बाकी एक हजार रुपये के जाली नोट थे। इन आंकड़ों को इस तय के समक्ष रखें कि इस साल अप्रैल माह में पांच सौ रुपये के 1646 करोड़ और सौ रुपये के 1642 करोड़ रुपये की मुद्रा प्रचलन में थी। इस लिहाज से जाली मुद्रा पण्राली में खासी कम ही थी, और क्षति पहुंचाने की स्थिति में नहीं थी। बेहतर होता कि उच्च मूल्य के नोटों के जरिए जाली मुद्रा को तरतीबवार तरीके से चलन से बाहर किया जाता। अब आरबीआई का कहना है कि बीते वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 17 में जाली नोटों को ढूंढ निकालने का आंकड़ा 20.4ब ज्यादा रहा। इसके बावजूद जाली नोटों का कुल मूल्य मामूली 42 करोड़ रुपये रहा। तो इतनी बड़ी मुसीबत मोल लेने की क्या जरूरत थी? यह तो स्पष्ट है कि ऐसे प्रमुख ''सुधार' के लिए सरकार की तैयारी न के बराबर थी। जब करंसी नोटों की कमी हो गई तो आरबीआई और बैंकों के पास पर्याप्त नोट नहीं थे जिससे कि करंसी के अभाव को पूरा कर पाते। बल्कि हुआ यह कि राष्ट्र की वित्तीय पण्राली चरमराती दिखी। दिहाड़ी कामगारों, जल्द खराब होने वाले साज-सामान का करोबार करने वाले छोटे खुदरा व्यापारियों और किसानों पर तो बुरी गुजरी। और इनकी संख्या करोड़ों में है। किसानों को फसल की बुआईमें दिक्कत हुई। आरबीआईको नये नोट लाने में महीनों लग गए। और इस दौरान संकट बना रहा। इतने लंबे समय तक मुद्रा की कमी के संकट से अर्थव्यवस्था को नुकसान होना लाजिम था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, जो राजनेता से ज्यादा विख्यात अर्थशास्त्री हैं, ने अनुमान जताया था कि नोटबंदी के फैसले से जीडीपी में 2ब तक की कमी आ सकती है। उनका आकलन अब तय साबित हुआ है। आधिकारिक रूप से जारी किए गए जीडीपी के आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं। 3600 करोड़ रुपये, जो 500 और 2000 रुपये के नये नोट जारी करने में व्यय होने का अनुमान है, को भी शामिल कर लें तो जीडीपी को हुआ नुकसान करीब तीन लाख करोड़ रुपये के करीब बैठता है। यह पैसा कभी वापस नहीं आ सकेगा। सिर्फपागलपन के चलते ऐसा हुआ है। अब यह भी देखें कि भारत की श्रम शक्ति करीब 45 करोड़ है। इसमें संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी मात्र 7ब ही है। बाकी का श्रम बल असगंठित क्षेत्रमें नियोजित है। वह भी दिहाड़ी कामगारों के रूप में। उनके घरों में नोटबंदी के बाद के दिनों में दो वक्त का चूल्हा तक नहीं जल पाया। इस प्रकार कथित ''काले धन' के नाम पर सरकार ने प्रचलन से वास्तविक मुद्रा प्रवाह को सोख लिया। अर्थव्यवस्था को हो चुके नुकसान से अनजान बने प्रधानमंत्री ने अब एक नया राग छेड़ दिया है। जोर-शोर से कह रहे हैं कि वह तो उस गरीब-गुरबा के लिए लड़ रहे है, जिसे पिछले दशकों के दौरान पैसे वाले उच्च वगरे ने लूटा है। इस प्रकार उनने उच्च वगरे के खिलाफमाहौल बना डाला और वर्ग संघर्ष की आंच को सुलगा दिया है। इसे दुर्भाग्य कहें या सौभाग्य लेकिन कटु सत्य है कि उनके सर्वाधिक मुखर समर्थकों में अधिकांश वे लोग ही हैं जिनके पास ''काली दौलत' है। कहने की जरूरत नहीं कि नोटबंदी की पूरी कवायद बुरी तरह से नाकाम हुईहै।

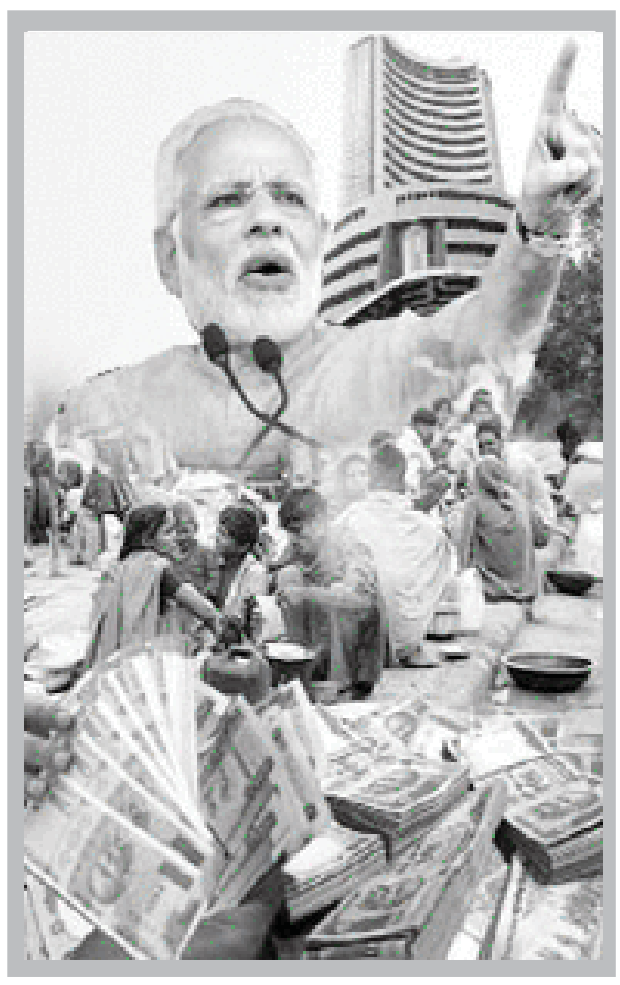

चलते चलते

''मेरी रचना के अर्थ बहुत से हैं,

रे चम्पू! तोय पतौ ऐ, आज आठ नवम्बर ऐ?-हां! आज महान गीतकार रमानाथ अवस्थी का जन्मदिन है।-अरे नोटबंदी की बात कर!-तो फिर नोटबंदी-दिवस पर रमानाथ जी के ही गीत हो जाएं। उन्होंने कहा था, ''मेरी रचना के अर्थ बहुत से हैं, जो भी तुमसे लग जाए लगा लेना'। जहां प्रेम-प्रीति, चंदन-घुंघरू की बात हो, वोटर अर्थ लगा लें कि काले धन की या जीएसटी के दुख-दर्द की हो रही है। मोदी जी ने यह गीत साल भर पहले गाया था, ''चंदन है तो महकेगा ही, आग में हो या आंचल में। छिप न सकेगा रंग प्रीति का, चाहे लाख छिपाओ तुम। कहने वाले सब कह देंगे, कितना ही भरमाओ तुम। घुंघरू है तो बोलेगा ही, सेज में हो या सांकल में।' आज गा रहे हैं, ''मेरे पंख कट गये हैं, वरना गगन को गाता। मेरे पास वह नहीं है, जो होना चाहिए था, मैं मुस्कराया

आज महान गीतकार रमानाथ अवस्थी का जन्मदिन है।-अरे नोटबंदी की बात कर!-तो फिर नोटबंदी-दिवस पर रमानाथ जी के ही गीत हो जाएं। उन्होंने कहा था, ''मेरी रचना के अर्थ बहुत से हैं, जो भी तुमसे लग जाए लगा लेना'। जहां प्रेम-प्रीति, चंदन-घुंघरू की बात हो, वोटर अर्थ लगा लें कि काले धन की या जीएसटी के दुख-दर्द की हो रही है। मोदी जी ने यह गीत साल भर पहले गाया था, ''चंदन है तो महकेगा ही, आग में हो या आंचल में। छिप न सकेगा रंग प्रीति का, चाहे लाख छिपाओ तुम। कहने वाले सब कह देंगे, कितना ही भरमाओ तुम। घुंघरू है तो बोलेगा ही, सेज में हो या सांकल में।'

तब भी, जब रोना चाहिए था। मुझे सब ने शक से देखा, मैं किसको क्या बताता। वो जो नाव डूबनी है, मैं उसी को खे रहा हूं, तुम्हें डूबने से पहले, एक भेद दे रहा हूं, मेरे पास कुछ नहीं है, जो तुमसे मैं छिपाता! मेरे पंख कट गये हैं..'-और का गाय रए ऐं आज?-''कुछ मैं कहूं, कुछ तुम कहो! तुमने मुझे अपना लिया, यह तो बड़ा अच्छा किया। जिस सत्य से मैं दूर था, वह पास तुमने ला दिया। अब जिंदगी की धार में, कुछ मैं बहूं, कुछ तुम बहो! मुझको बड़ा सा काम दो, चाहे न कुछ आराम दो। लेकिन जहां थककर गिरूं, मुझको वहीं तुम थाम लो।

दुख-सुख मुझे जो भी मिले, कुछ मैं सहूं कुछ तुम सहो!' दद्दा ने आधार-कार्ड की बात तीस साल पहले कही थी, मोदी आज सुना रहे हैं, ''मैं गीत लुटाता हूं उन लोगों पर, दुनिया में जिनका है ''आधार' नहीं, पूजा करता हूं उस कमजोरी की, जिसका कोई भी पहरेदार नहीं। दूरी का दुख बढ़ता ही जाता है, जो भी तुमसे घट जाए घटा लेना। मेरी रचना के अर्थ बहुत से हैं, जो भी तुमसे लग जाए लगा लेना!' और सुनाऊं?

मुद्दा

''पब्लिक हेल्थ'

नवम्बर 1 को ऊंचाहार (रायबरेली) स्थित एनटीपीसी के ताप बिजलीघर में हुई भीषण दुर्घटना में अभी तक 33 मजदूर मारे गए हैं व 100 से अधिक घायल हैं। लगभग 60 मजदूरों के गंभीर रूप से घायल होने के समाचार हैं। हालांकि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत स्थिति पूरी जांच से ही सामने आएगी, पर आरंभिक जानकारियों से उच्च स्तर पर गंभीर मानवीय गलतियों के संकेत तो मिलने ही लगे हैं। आरोप है कि बड़ी संख्या में ठेका मजदूरों को खतरनाक स्थितियों में कार्य करने को भेजा गया, बॉयलर के ठीक रख-रखाव या मेनटेनेंस में भी कमी रही। 500 मेगावाट की यूनिट 6 को जल्दबाजी में चालू किया गया, जिससे सुरक्षा पर समुचित ध्यान नहीं दिया जा सका। फिलहाल इस बारे में पूरी जानकारी के लिए चाहे कुछ इंतजार करना पड़े पर विभिन्न क्षेत्रों में समय-समय पर होने वाली कार्यस्थल की दुर्घटनाओं से इतना तो स्पष्ट है कि जरूरी सावधानियां अपना कर इनमें बहुत कमी लाई जा सकती है। हकीकत यह है कि जहां सीवर की सफाई, कुछ तरह के खनन कायरे, रसायन व विस्फोट जैसे उद्योगों में दुर्घटनाएं बहुत समय से अधिक होती रही हैं, वहां अब पहले सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्रों जैसे कृषि में भी जानलेवा दुर्घटनाएं बढ़ रही है जैसा कि हाल में विदर्भ क्षेत्र में पेस्टीसाइड छिड़काव की दुर्घटनाओं में होने वाली बड़ी संख्या में मौतों या किसानों व मजदूरों के जहरीलेपन से प्रभावित होने की घटनाओं से सिद्ध हुआ। आक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी के विश्वकोष ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों के आधार पर बताया है कि दुनिया में एक वर्ष में 12 करोड़ आक्यूपेशनल या रोजगार से जुड़ी हुई दुर्घटनाए होती हैं। इनमें से 210000 दुर्घटनाएं जानलेवा सिद्ध होती हैं। प्रतिदिन, औसतन ऐसे 500 व्यक्ति हैं, जो रोजगार के लिए अपने घर से जाते हैं पर कार्यस्थल पर दुर्घटना के कारण फिर कभी घर नहीं लौटते हैं। विश्व में जो आक्यूपेशनल दुर्घटनाओं की दर है, यहीं भारत में भी मान ली जाए हो तो यहां एक वर्ष में 2 करोड़ आक्यूपेशनल दुर्घटनाएं होती हैं। यह दुर्घटनाएं कृषि, बड़े व छोटे उद्योगों, विभिन्न निर्माण स्थलों, खदानों, वनों आदि विभिन्न कार्यस्थलों पर होती हैं। पर इनमें से बहुत कम दुर्घटनाएं ही संज्ञान में आती हैं या इनका कोई रिकॉर्ड रखा जाता है। इनसे प्रभावित होने वालों की बहुत कम क्षतिपूर्ति हो पाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह जरूरी नहीं है कि आधुनिकता व मशीनीकरण के आगमन से सुरक्षा की स्थिति में सुधार हो। कई बार सुरक्षा पर प्रतिकूल असर भी पड़ सकता है। अत: तकनीकी में बदलाव के समय सेफ्टी का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। डॉ. रोनाल्ड स्किब ने अपने अध्ययन में बताया है कि प्राय: सभी दुर्घटनाओं के कई मिले-जुले कारण होते हैं पर इनमें मानवीय गलतियों की मुख्य भूमिका होती है। गार्डन एम. स्मिथ और मार्क वीजलराइट ने कार्यस्थल दुर्घटनाओं को कम करने में ''पब्लिक हेल्थ' एप्रोच की पैरवी की है। उन्होंने बताया है कि सामान्यत: दुर्घटनाओं को कम करने के प्रयास एक कंपनी या एक इकाई में केंद्रित होते हैं। पर यदि जन-स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखा जाए, जो किसी स्थान के सभी उद्योगों व वहां की आबादी को समग्र रूप से देखते हुए पूरे क्षेत्र का नियोजन सुरक्षा की दृष्टि से करना चाहिए। जहां खतरनाक स्थिति का बुरा असर उद्योग में काम करने वाले लोगों पर पड़ता है, वहां आसपास रहने वाले लोगों को भी इससे जुड़े खतरे सहने पड़ते हें, जैसे कि भोपाल गैस त्रासदी जैसी दुर्घटनाओं में कई बार देखा गया है। यह देश जानलेवा कार्यस्थल की दुर्घटनाओं में 30 से 40 वर्षो में लगभग 60 से 70 प्रतिशत की कमी कर सके हैं। यह उपलब्धि महत्त्वपूर्ण तो है, पर यदि विश्व स्तर पर देखें तो अभी यह उपलब्धि बहुत कम क्षेत्रों तक सीमित है। इससे अधिक क्षेत्र ऐसे हैं जहां अभी स्थिति बहुत चिंताजनक बनी हुई है। अत: कार्यस्थल की दुर्घटनाओं को कम करने के लिए अभी बहुत प्रयास बाकी हैं। हमारे देश में अभी इस क्षेत्र में ज्यादा प्रगति नहीं हो सकी है व कई चुनौतियां हमारे सामने हैं।

विस्तारवादी चीन को रोकने की जुगत

आभा स्वामी

यह अच्छी बात है कि भारत किंचित रुक-रुककर ही सही, लेकिन सामरिक सहभागिताओं के जरिए और खुद अपनी नौसैनिक तैयारियों को मजबूती देते हुए अपनी नौसैन्य सुरक्षा सुदृढ़ करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पड़ोसी देश चीन की अपनी थल सेना में कटौती कर इसके बजाय वायुसेना व नौसेना में निवेश बढ़ाने की नई प्रस्तावित नीति वास्तव में भारत के लिए चेतावनी की घंटी है। यद्यपि, अब भी भारत का रवैया अग्र-सक्रियतावादी न होकर प्रतिक्रियावादी ही लगता है। पिछले दिनों भारत यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने सुझाव दिया था कि इस उपमहाद्वीप क्षेत्र में रोड कनेक्टिविटी तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पोर्ट कनेक्टिविटी के निर्माण में अमेरिका और भारत को साझेदारी करनी चाहिए, जो चीन की वन रोड, वन बेल्ट (ओबोर) पहल का विकल्प बने। लेकिन भारत ने इस मसले पर उसी तरह चुप्पी साध ली, जिस तरह अमेरिका दक्षिण चीन सागर विवाद में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की ओर से दखल देने के मुद्दे पर खामोश बना रहता है।

रेक्स टिलरसन के प्रस्ताव का मुख्य बिंदु यह था कि इस क्षेत्र में चीन की ओबोर परियोजना के जवाब में भारत और अमेरिका को मिलकर एक नियम आधारित और पारदर्शी विकल्प मुहैया कराना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने बांग्लादेश और अफगानिस्तान में रोड कनेक्टिविटी पर जोर दिया, ताकि पाकिस्तान भी इस पहल में शामिल होने के लिए प्रवृत्त हो जाए। हालांकि इस्लामाबाद की बीजिंग के प्रति अति-निर्भरता को देखते हुए यह सोच अवास्तविक लगती है। इस परिप्रेक्ष्य में एक और बात गौरतलब है। कुछ समय पूर्व जापान के विदेश मंत्री तारो कोनो ने अमेरिका, भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ एक उच्चस्तरीय वार्ता का सुझाव दिया था, जिसमें दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर होते हुए अफ्रीका तक रक्षा सहभागिता और मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने की योजना पर विचार किया जाए। कह सकते हैं कि यह एक बड़ी पहल है और मौजूदा दौर के हिसाब से यह ठीक भी है। लेकिन इस वक्त अहम सवाल यही है कि आगामी 6 नवंबर को जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे तो क्या वो इस प्रस्ताव को सोद्देश्यपूर्ण तरीके रख सकेंगे और यह भी देखना होगा कि क्या ट्रंप इस पर सार्थक प्रतिक्रिया देते हैं! हिंद महासागर में अपनी सामरिक पहुंच बढ़ाने के लिए चीन श्रीलंका के हंबनटोटा, मालदीव के मराओ के अलावा म्यांमार में भी कुछ ऐसे बंदरगाह विकसित कर रहा है, जहां नौसैनिक शक्ति के पहुंचने की सुविधाएं भी होंगी।

भारत को करना यह चाहिए कि वह समुद्री नियंत्रण स्थापित करने तथा अपनी नौसैनिक क्षमताओं को और बढ़ाने की खातिरचीन के साथ सृजनात्मक ढंग से जुड़े। इसके साथ-साथ वह इस लक्ष्य को पाने के लिए हिंद महासागर में अन्य बड़ी शक्तियों के साथ भी जुड़ाव कायम करे। लिहाजा यह नई दिल्ली का जिम्मा है कि वो ये सुनिश्चित करे कि चीन-रूस-पाकिस्तान का त्रिगुट आकार लेकर भारत के सामरिक नुकसान की वजह न बन सके। इस लिहाज से देखें तो मोदी सरकार के समक्ष विकट चुनौती है। चीन को अपने दायरे से दूर रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए सामरिक सहभागिताएं करना जरूरी है। चीन की बढ़ती हिमाकतों को देखते हुए हम चैन से नहीं बैठ सकते।

यूपी का मुरादाबाद देश का सबसे प्रदूषीत शहर, जहरीली हवा से लोग परेशान

मुरादाबाद। वर्ल्ड में पीतल नगरी के नाम से मशहूर यूपी का मुरादाबाद शहर की हवा देश में सबसे जहरीली हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से जारी इंडेक्स रिपोर्ट में देश के प्रदूष?ति शहरों में मुरादाबाद सबसे टॉप पर है। यहां की हवा में 500 प्रतिघन मीटर प्रदूषण की मात्रा मापी गई है, जो किसी भी जीव-जन्तुओं के लिए खतरनाक है। जानकारों की मानें तो इसकी मात्रा 200 से अधकि होने पर हानिकारक मानी जाती है।

टॉप फाइव में यूपी के 3 शहर...

देश के टॉप फाइव प्रदूषित शहर

मुरादाबाद: 500 प्रति घन मीटर

गाजियाबाद: 475 प्रति घन मीटर

नोएडा: 468 प्रति घन मीटर

हावड़ा: 451 प्रति घन मीटर

दिल्ली: 448 प्रति घन मीटर

क्या कहते हैं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्रोजेक्ट इंचार्ज

हिन्दू डिग्री कॉलेज की वनस्पति विज्ञान की प्रोफेसर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्रोजेक्ट इंचार्ज अनामिका त्रिपाठी ने बताया, मुरादाबाद जिले में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा स्थापित वायु गुणवता अनुश्रवण केंद्र द्वारा पिछले दो दिनों में जो आंकड़े रिकॉर्ड किए हैं वो मुरादाबाद के लिए किसी भी मायने में संतोष देने वाले नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मंगलवार को जारी डेली एयर इंडेक्स रिपोर्ट में मुरादाबाद को सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों की सूची में नंबर एक पर रखा है। मुरादाबाद जिले में रिकॉर्ड किए आंकड़ों में प्रति गहन मीटर में 500 मापा गया है, जबकि दिल्ली में यह आंकड़ा 448 और गाजियाबाद में 475 प्रति घन मीटर मापा गया है। उन्होंने बताया, मुरादाबाद में प्रदूषण का लेबल ब्लाइंड लेबल पर है। लिहाजा आम लोगों को मास्क पहनना आवश्यक है। जिले के कई हिस्सों में मैनुअल डाटा रिकॉर्ड में हालात बद से बदतर पाए गए हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर

जिला अस्पताल के डॉक्टर वीर सिंह ने बताया, मौसम के सर्द होने और जहरीली धुंध के चलते बच्चों ओर बुजुर्गों को डॉक्टरों की मदद लेने के लिए अस्पताल के चक्कर काटने पड़ रहे है।

जिला अस्पताल में पिछले दो दिनों में निमोनिया, दमा ओर सांस के मरीजों की तादाद लगातार बढ़ रही है। अगर जल्द ही मौसम सही नहीं हुआ तो हालत सम्भालने में दिक्कत हो सकती है।

ऐसे हालात में इस मौसम में बच्चों को घर से बाहर न भेजने की सलाह दे रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है की भरपूर मात्रा में लिक्विड ओर पौष्टिक आहार लोगों को लेना चाहिए।

धुंध के कारण शहर में जनजीवन अस्त-व्यस्त

एमएच डिग्री कॉलेज के प्रिसिपल विशेष कुमार गुप्ता ने कहा, धुंध के चलते शहर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है। ज्यादातर कालेजों में छात्रों की उपस्थिति न के बराबर है। कार्यालयों में भी सन्नाटा पसरा हुआ है।

4 लोगों के साथ सादगी से नामांकन करने पहुंचा ये उम्मीदवार

मुरादाबाद। तीसरे चरण के निकाय चुनाव के लिए 4 नवंबर से नामंकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंगलवार को सपा से मेयर पद के उम्मीदवार हाजी यूसुफ अंसारी ने बड़ी सादगी के साथ अपना नामांकन पत्र अपर जिलाधिकारी प्रशासन लक्ष्मी शंकर सिंह के यहां जमा कराया। सपा में बगावत

-सपा प्रत्याशी यूसुफ अंसारी अपने अधिवक्ता और दो अन्य लोगों के साथ कलक्ट्रेट परिसर में पहुंचे। यूसुफ अंसारी के साथ न तो कोई भीड़ थी और न ही पार्टी का झंडा। अंसारी शांति और सादगी के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे थे। सूत्रों की माने तो जिले में समाजवादी पार्टी दो खेमों में बंटी है। एक पक्ष पूर्व विधायक हाजी यूसुफ अंसारी के पक्ष में तो दूसरा पक्ष जिला अध्यक्ष व देहात से विधायक हाजी इकराम कुरैशी के पक्ष में।

बताया जा रहा है कि जिलाध्यक्ष हाजी इकराम कुरैशी किसी और को सपा से मैदान में उतारना चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सपा ने हाजी यूसुफ अंसारी का टिकट दिया। यूसुफ अंसारी ने कहा- ''दो दिनों बाद पार्टी की प्रेस वार्ता होगी। उसमें सभी सवालों के जवाब मिल जाएंगे।''

वहीं, जिलाध्यक्ष हाजी इकराम कुरैशी के भतीजे रिजवान को कांग्रेस से अपना प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है।

ऐतिहासिक पहल है नोटबंदी, कांग्रेस सरकार में आती थी घोटालों की आवाज : स्मृति

लखनऊ। नोटबंदी को सफल बताते हुए केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। स्मृति ईरानी ने कहा, ''पीएम मोदी की इस ऐतिहासिक पहल के बाद नोटबंदी चर्चा का विषय बन गया है।'' स्मृति ईरानी ने कहा- ''पिछली कांग्रेस की सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एसआईटी बनाकर कालेधन की जांच की जाए और उसको वापस लाया जाए। लेकिन कांग्रेस ने एसआईटी नहीं बनाई।'' 17 लाख 77 हजार करोड़ रुपए की कैरेंसी चलन में थी। नोटबंदी के बाद 3 लाख करोड़ तक की कमी आयी है। नोटबंदी के बाद अब सभी नोट को उनकी जगह मिल गयी है। नोट कहां हैं सबको उसकी जानकारी है।

पिछली सरकार में चर्चा होती थी, कॉमनवेल्थ और कोल घोटाले की, लेकिन मोदीजी की सरकार में आजतक किसी प्रकार के घोटाले की आवाज नहीं आयी। सब कुछ ऑनलाइन आ गया।

स्मृति ईरानी ने कहा- ''नोटबंदी के बाद 22,4000 शेल कम्पनियों को बंद किया गया। अब सरकार द्वारा शेल कंपनी की जांच की जा रही है। कैश होल्डिंग को नियंत्रित किया किया गया है। 1.60 लाख करोड़ संदिग्ध ट्रांसकेक्शन एक वर्ष में हुए हैं। पिछली बार बैंको ने 631361 ऐसे ट्रांसकेक्शन रिपोर्ट किये थे इस बार यह संख्या 3.60 लाख पहुंच गई है।

-स्मृति ईरानी ने कहा- नोटबंदी राहुल गांधी के लिये निश्चित ही ट्रेजेडी है। क्योंकि एक के बाद एक चुनाव हार रहे हैं। दो राज्यों के चुनाव में भी वही परिणाम आने वाले हैं। स्थिति यह है अब कांग्रेस पेशोपेश में पड़ी है कि राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाए कि नहीं।

साहित्यकार मनु शर्मा का वाराणसी में निधन, मोदी के नवरत्नों में थे शामिल

वाराणसी। साहित्यकार मनु शर्मा का बुधवार की सुबह वाराणसी स्थित उनके घर पर निधन हो गया। पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित मनु शर्मा पीएम मोदी के नवरत्नों में भी शामिल थे। परिवार के लोगों का शहर के बाहर होने की वजह से मनु शर्मा का अंतिम संस्कार गुरुवार को मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा। तुषार ने बताया कि मनु का असली नाम हनुमान प्रसाद शर्मा था। उनकी मशहूर लेखनी 'गांधी लौटे' और 'कृष्ण की आत्मकथा' है। 8 खंडों और 3000 पेज वाली 'कृष्ण की आत्मकथा' एक बेहतरीन कृति है।

कई दिनों से बीमार थे मनु शर्मा

मनु शर्मा का जन्म 1928 में फैजाबाद जिले में हुआ था। वह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। पिछले महीने शरद पूर्णिमा के दिन उन्होंने 90वां जन्मदिन अस्पताल में मनाया था। हालात में सुधार होने पर दो दिन बाद घर लाया गया था। इसके बाद से उन्होंने खाना छोड़ दिया था। भतीजे तुषार शर्मा ने बताया कि सुबह अचानक तबीयत बिगड़ी। जब तक अस्पताल ले जाते, उन्होंने अपनी अंतिम सांस ले ली।

डीएवी कॉलेज में की लाइब्रेरियन की नौकरी

बेहद अभावों में पले-बढ़े मनु शर्मा ने कभी बनारस के डीएवी कॉलेज में लाइब्रेरियन की नौकरी की। उनके गुरु रहे कृष्णदेव प्रसाद गौड़ उर्फ 'बेढ़ब बनारसी' ने उनकी लेखनी को देखते थे और उन्होंने ही यहां हिंदी का टीचर अप्वाइंट करवाया। लाइब्रेरी में बुक उठाते-उठाते उनमें पढ़ने की ऐसी रुचि जगी कि उन्होंने अपनी कलम से पौराणिक उपन्यासों को आधुनिक संदर्भ दिया।

छेड़छाड़ का आरोप लगा फरार हो गई लड़की, पब्लिक ने युवक का किया ऐसा हाल

आगरा.एक कॉलेज गर्ल ने मंगलवार को एक युवक पर छेड़खानी का आरोप लगाकर फरार हो गई। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। पीड़ीत रो-रोकर सच्चाई बताने की कोशीश करता रहा, लेकिन लोगों ने उसकी एक न सुनी। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बता दें, घटना के काफी देर बाद लड़की और एक महिला ने थाने पहुंचकर युवक के खीलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराया है।

ये नोटबंदी का एक बरस नहीं, बरसी है : अखिलेश

लखनऊ। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नोटबंदी के एक साल पूरे होने पर सरकार पर हमला किया है। अखिलेश यादव ने अपने ट्विटर पर लिखा- ''अर्थव्यवस्था की बदहाली, कारोबार-उद्योग की बर्बादी व देशव्यापी बेरोजगारी में नोटबंदी का जश्न दुखद है। ये नोटबंदी का एक बरस नहीं बरसी है।'' एक साल पहले हुई थी नोटबंदी

8 नवंबर, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि रात 12 बजे से 1000 और 500 के नोट चलन से बाहर हो जाएंगे।

नोटबंदी को बुधवार से एक साल हो गए।

नोटबंदी का एक साल पूरा होने के मौके पर बीजेपी ''एंटी ब्लैक मनी डे'' मना रही है। वहीं, विपक्ष नोटबंदी के एक साल को ''काला दिन'' के तौर पर मना रही है।

अपर्णा यादव ने क्या कहा

मुलायम की छोटी बहू अपर्णा यादव ने भी नोटबंदी को लेकर एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा- ''नोटबंदी अच्छी थी या बुरी चुनावों के परिणाम देखकर कुछ नहीं कह सकते हैं।''

कतार में लगकर लोगों की मौत हुई, लेकिन जीडीपी और अन्य परिणामों को देखकर कुछ नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने लिखा- मुझे लगता है इसे अभी और अधिक समय दिए जाने की आवश्यकता है।

नोटबंदी क्यों की गई थी ?

मोदी ने नोटबंदी को भ्रष्टाचार, कालाधन, जाली नोट और आतंकवाद के खिलाफ उठाया गया कदम बताया था। उन्होंने कहा था, ''भ्रष्टाचार, कालाधन और जाली नोटों के खिलाफ हम जो लड़ाई लड़ रहे हैं, उसको इससे ताकत मिलने वाली है।''

बिहार

नोटबंदी के खिलाफ विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन, बैरिकेडिंग तोड़ कलेक्टेरियट में घुसे

पटना.राजद की अगुवाई में बिहार के विपक्षी दल बुधवार को नोटबंदी के एक साल पूरा होने के दिन को काला दिवस के रूप में मना रहे हैं। पटना के जेपी गोलंबर के पास राजद, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता जुटे। जेपी गोलंबर से सभी जुलूस की शक्ल में करगिल चौक के पास से जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च करते हुए पहुंचे। छह विपक्षी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जब जेपी गोलंबर से निकले तो उन्हें रोकने में पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए। प्रदर्शनकर्ताओं को कारगिल चौक पर ही रोक दिया जाना था। वहां बैरिकेडिंग भी की गई थी, लेकिन विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने उसे तोड़ दिया और आगे बढ़ गए। जुलूस की शक्ल में निकले लोगों ने एक के बाद एक तीन बैरिकेडिंग तोड़ दिया है। वे कलेक्टेरियट के अंदर दाखिल

हो गए हैं।

लालू ने हाजीपुर में की रैली

राजद प्रमुख लालू यादव ने नोटबंदी के खिलाफ हाजीपुर में रैली की। रैली में लालू ने कहा कि बीजेपी ने नोटबंदी कर जनता की गाढ़ी कमाई लूट ली। महिलाएं जो पैसे बचाकर रख रहीं थी उन्हें भी अपने पैसे बैंक में जमा करने पड़े। पीएम मोदी नोटबंदी से काला धन बाहर लाने की बात कहते हैं। वह बताएं कि नोटबंदी के बात कितना काला धन बाहर आया।

केंद्र की नीतियों से जनता व्यापारी कर रहे त्राहिमाम

तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा की गई नोटबंदी एवं जीएसटी के खिलाफ देश की आम जनता और व्यापारी त्राहिमाम कर रहे हैं, पर केंद्र के नेता मूछों पर ताव दे रहे हैं। केंद्र की गलत आर्थिक नीतियों, नोटबंदी और जीएसटी के विरोध में पटना में संयुक्त विपक्षी दलों ने गांधी मैदान जेपी गोलंबर पर काला दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

सोनपुर मेले में तय हो रहे हैं रिश्ते, दूसरे प्रदेश से भी यहां पर आ रहे हैं लोग

पटना. हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले में जिन्दगी के रिश्ते तय हो रहे हैं। वर वधू के रिश्ते पर जहां यहां पर अर्नतिम मुहर लग रही है, वहीं यहां पर लोग लड़का लड़की को देखने भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। मठ-मंदिरों में इन रिश्तों पर मुहर लग रही है। कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के बाद से अब तक अकेले हरिहरनाथ मंदिर में दस शादियां हो चुकी हैं। हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में मेला के साथ साथ रिश्ते भी जुड़ रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग यहां पर अपने बच्चों के रिश्तों को जोड़ने आ रहे हैं। मठ मंदिरों में भगवान के सामने ये अपने बच्चों के रिश्ते को जोड़ रहे हैं। यह मेला इन दिनों विभिन्न जिलों से आए लोगों का ऐसा एक ऐसा मिलन स्थल बन गया है।

जहां बहुत बड़ी संख्या में जिन्दगी के रिश्ते तय हो रहे हैं।

गवाही देने जा रही महिला को ऑटो से खींचा, गोली मारते तभी डीआईजी ने बचा लिया

बिहटा (बिहार).पतूत-बिहटा मार्ग पर डिहरी गांव के पास मंगलवार को दिनदहाड़े छह अपराधियों ने कोर्ट में गवाही देने जा रही महिला को ऑटो से खींच कर बुरी तरह पीटकर लहूलुहान कर दिया, इसके बाद गोली मारने की कोशिश की। मौके पर मौजूद भीड़ मूकदर्शक बनी हुई थी। इसी दौरान उस रोड से गुजर रहे सासाराम के डीआईजी मो. रहमान की नजर अपराधियों पर पड़ी। वे तत्काल गाड़ी से कूद पड़े। उन्होंने न सिर्फ महिला को बचाया, बल्कि एक अपराधी को हथियार समेत धर दबोचा।

एक ही बाइक पर सवार होकर चार अपराधी भाग निकले। डीआईजी के इस साहस को देखने के बाद भीड़ की नींद टूटी और आनन-फानन में घायल महिला को लोगों ने रेफरल अस्पताल में भर्ती

करवाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया।

लोडेड देसी कट्टा और आठ कारतूस के साथ गिरफ्तार

रानीतालाब निवासी तुलसी वर्मा की पत्नी सूर्यमणि देवी अपने बेटे के अपहरण के मामले में जेल में बंद अपराधी कुख्यात कारु सिंह के खिलाफ कोर्ट में गवाही देने के लिए घर से निकली थी। जैसे ही डिहरी गांव के समीप ऑटो पहुंचा, तभी दो बाइक पर सवार छह हथियारबंद अपराधियों ने हथियार के बल ऑटो को रोक लिया और सूर्यमणि को उतारकर मारपीट करने लगे। एक अपराधी उसे गोली मारने ही वाला था, तभी डिहरी ऑन सोन जाने के क्रम में डीआईजी रहमान सूर्यमणि के लिए भगवान का दूत बनकर पहुंच गए। धनु कुमार को लोडेड देसी कट्टा और आठ कारतूस के साथ पकड़ लिया।

जल्द गिरफ्तार होंगे फरार अपराधी

थानाध्यक्ष राघव दयाल ने बताया कि सूर्यमणि देवी के बेटे धर्मेंद्र कुमार का अपहरण 24 मई को कर लिया गया था। पुलिस ने 4 जून को उसे मथुरापुर से बरामद किया था। इस मामले में नामजद कुख्यात कारु सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था, जो जेल में बंद है। हमला कारु के लोगों ने किया है। सभी अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दबंगों ने महादलितों को घर में घुस कर पीटा, फिर आग लगा दी, कई लोग जख्मी

रजौली (नवादा).रजौली प्रखंड के सिमरकोल में दबंगों ने एक महादलित परिवार के घर में घुसकर मारपीट की और उनके घर में आग लगा दी। इसमें कई बकरी, मुर्गी और गृहस्थी के सामान जलकर राख हो गए। मारपीट में कई लोग जख्मी हो गए हैं। घायलों का अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में दाखिल कराया गया है।

बताया जाता है कि सोमवार की देर रात पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही कुछ लोग राजेंद्र राजवंशी के घर में घुसकर परिजनों के साथ मारपीट करने लगे। विरोध करने पर घर में आग लगा दी। हालांकि इस मामले में अलग-अलग आरोप लगाए जा रहे हैं।

दोनों पक्ष के हैं अलग-अलग आरोप प्रत्यारोप :राजेंद्र राजवंशी की पुत्री रिंकू कुमारी और संगीता कुमारी के अनुसार रात में एक बजे के करीब कुछ लोग घर में घुस गए। उस वक्त सभी गहरी नींद में सोए थे। सभी लोग महिलाओं के साथ छेड़छाड़ भी करने लगे। यही नहीं, जातिसूचक भद्दी भद्दी गालियां देने लगे। दबंगों ने सो रही बूढ़ी महिला सारो देवी के साथ भी मारपीट की। इस मामले में प्रेमन सिंह, राजेंद्र सिंह, रवि सिंह, उदय सिंह, उज्जैन सिंह, गौरव सिंह, पंकज सिंह, बिट्टू सिंह, मनोज सिंह,देवनंदन यादव, सुजीत यादव, पवन सिंह, धर्मवीर सिंह, अशोक सिंह, पप्पू यादव, धीरज सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दूसरी तरफ, मुंशी सिंह के अनुसार प्रेम सिंह ने बताया कि सोमवार की रात आठ बजे गांव में अनिल कुमार निराला के द्वारा नाच गान का प्रोग्राम करवाया जा रहा था। प्रोग्राम के दौरान नीरज कुमार के साथ संजय राजवंशी से विवाद हो गया। इसमें संजय राजवंशी ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी-डंडे तथा राड से संजय राजवंशी पर प्रहार कर दिया। बीच बचाव करने आए पंकज कुमार,बिट्टू कुमार को भी रॉड से पीटा गया। मारपीट में घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में सत्येंद्र राजवंशी,मथुरा राजवंशी, दिनेश राजवंशी, मल्लू राजवंशी, किरण राजवंशी, सनोज राजवंशी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि उभय पक्ष से आवेदन मिला है।

बिजली पोल लाद कर जा रहे ट्रैक्टर से टकराई कार, ऐसे घुस गया था खंभा

दिघवारा (छपरा). छपरा -पटना मुख्य सड़क मार्ग पर दरियापुर थाना क्षेत्र के शीतलपुर के पास एक कार बिजली पोल लदे ट्रैक्टर से जा टकराई। लिहाजा बिजली का पोल कार के आर-पार हो गया। लेकिन उस कार में सवार सभी लोग बाल-बाल बच निकले। हल्की चोटें आई है। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार पटना के चांदमारी रोड रहने वाले सुनील कुमार गुप्ता अपनी कार पर पत्नी समेत दो बच्चे को लेकर छपरा से पटना लौट रहे थे। तभी अनियंत्रित कार ने शीतलपुर ग्रिड के समीप बिजली पोल लदे ट्रैक्टर में पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दिया। घटना की सूचना मिलने पर दिघवारा थानाध्यक्ष सतीश कुमार और दरियापुर थानाध्यक्ष श्रीचरण राम ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। दरियापुर पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर लिया है।

दहेज के लिए महिला की गला घोंटकर हत्या

पटना. बिहार के पश्चिम चम्पारण जिले के बेतिया के नौरंगाबाद में बुधवार को एक विवाहिता की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। मृतक महिला के पिता ने अपने दामाद और उसके घर के लोगों पर दहेज के लिए बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया है।

मृतक महिला का शव उसके घर में ही पड़ा था। आसपास के लोगों ने महिला के पिता को इसकी सूजना दी। महिला की हत्या के बाद उसका पति अपने परिवार के लोगों के साथ घर छोड़कर भाग गया। सूचना मिलने पर आई पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए उसे हॉस्पिटल भेज दिया।

स्कूल की टीचर को जबरन बाइक पर बिठाया, फिर इंजेक्शन लगा किया गैंगरेप

सीतामढ़ी.बिहार के सीतामढ़ी में एक स्कूल टीचर को दिनदहाड़े जबरन बाइक पर बिठाया और फिर उसे नशे का इंजेक्शन लगा गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़िता ने मंगलवार को नगर थाने में मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने सदर हॉस्पिटल गेट स्थित प्राइवेट डॉक्टर शिवजी सिंह के बेटे पुरूषोत्तम राज और उसके दोस्तों को आरोपी बताया है।

पहले इलाज के लिए आरोपी के क्लिनिक जाती थी पीड़िता

नगर थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया है कि पीड़िता के आवेदन पर मामला दर्ज कर उसे मेडिकल के लिए भेज दिया है। प्राथमिकी के अनुसार पीड़िता पहले भी इंजेक्शन लगवाने शिवजी सिंह के क्लिनिक में गई थी।

पीड़िता के मुताबिक तभी से डॉक्टर का बेटा उसपर गलत नजर रखता था। कई बार उसने उसके साथ अभद्र व्यवहार कर चुका था। लड़की के मुताबिक, शर्म के चलते उसने इस बात को इग्नोर कर दिया था और इस बारे में किसी को जानकारी नहीं दी थी। पीड़िता ने बताया कि सोमवार शाम पुरूषोत्तम राज ने उसे जबरन अपने गाड़ी पर बैठा लिया।

इसके बाद वो उसे लेकर पास के एक कमरे में पहुंचा जहां उसने जबरन उसे इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन के बाद वो बेहोश हो गई। जब उसे होश आया तो सुबह हो चुकी थी और उसने खुद को न्यूड पाया।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने शिवजी सिंह के क्लिनिक पर कई बार छापेमारी की, लेकिन बाप-बेटे फरार मिले।

जीएसटी तथा नोट बंदीके मुद्दे पर व्यापारियों से चर्चा करने दोबारा सूरत पहुंचे राहुल

सूरत। मंगवार को सूरत में दुबारा दौरे पर आए राहुल गांधी का भाजपा कार्यकर्त्ताओं ने रिंग रोड़ पर मोदी मोदी के नारे लगाकर विरोध किया। जीएसटी के मुद्दे पर कपड़ा व्यापारियों के साथ चर्चा करने के उद्देश्य से आए राहुल गांधी व्यापारियों से न मिल सके इस बात की कोशिश भाजपा कार्यकर्त्ताओं द्वारा किए जाने की जानकारी आई है। विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से ही प्रत्यसियों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भाजपा ने जहां संपर्क महाकार्यक्रम अभियान से मतदाताओं को टटोलने की कवायद शुरू की है, वहीं इस बार पाटीदार, दलित मतदाताओं के समर्थन के बूते खोए जनाधार को फिर से पाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है।

जीएसटी को लेकर कपड़ा बाजार के व्यापारियों की नाराजगी को भुनाने के मौके में लगी कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सूरत के कपड़ा व्यापारियों से दुबारा मुलाकात की। बुधवार की शाम राहुल गांधी ने पाल रोड़ स्थित संजीव कुमार ओडिटोरियम में कपड़ा व्यापारियों के साथ संवाद कर उनकी परेशानियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होनें व्यापारियों को अश्वासन दिया कि उनकी सरकार कपड़ा बाजार के हित में जीएसटी में आवश्यक बदलाव करेगी। इस अवसर पर ओडिटोरियम में उपस्थित डायमंड, रियल स्टेट सहित अन्य कारोबारियों की समस्या से अवगत हुए। कांग्रेस की टिकट की दावेदारी करने वाले कुछ लोग टिकट न मिलने पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं। इन दावेदारों मे चौर्यासी, मजूरा और उधना से दावेदारी करने वाले कई नेता शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बार कांग्रेस की रणनीति बदली नजर आ रही है, जिसके तहत कई नए चेहरों को मौका मिल सकता है। कांग्रेस ने सूरत के 16 विधानसभा सीटों में से अब तक किसी भी सीट के लिए प्रत्यासी के नाम की घोषणा नहीं की है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्त्ताओं तथा टिकट दावेदारों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस ने डोर-टू -डोर चुनावी कैंपन की शुरूआत कर दी है परन्तु नाम की घोषणा न होने से दावेदारों में उत्साह नहीं दिख रहा है।

गुजरात गौरव समर्पक महाअभियान के तहत सूरत पहुंचे केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

सूरत। भाजपा के महा संपर्क अभियान में हिस्सा लेने बुधवार को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सूरत पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने प्रवासी उड़ीसा बाहुल्य क्षेत्र शहर के पांडेसरा तथा बमरौली में लोगों से मुलाकात कर भाजपा के पक्ष में वोट देने को कहा। प्रधान ने सूरत पहुंचकर शहर भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित किया। दोपहर को उन्होंने वेसू में पानी की टंकी के निकट आयोजित एंटी ब्लैक मनी डे कार्यक्रम में शिरकत की। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर की रात 500 तथा 1000 के नोटों को चलन से बाहर करने की घोषणा की थी। जिसके बाद से ब्लैक मनी के कारोबारियों में हड़कम्प मच गई थी। केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने नोट बंदी से हुए फायदों के बारे में लोगों को जानकारी दी।

जिला चुनाव अधिकारी की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों की हुई समीक्षा बैठक

सूरत। सूरत जिले के 16 विधानसभा क्षेत्रों में 9 दिसंबर को होने वाले चुनाव में आचार सहिंता का सख्ती से पालन करने तथा चुनाव संबधी विविध गतिविधियों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने की तैयारियों के संदर्भ में बुधवार को जिला चुनाव अधिकारी की अध्यक्षता में नोडल आफिसर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला चुनाव अधिकारी ने चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार आदर्श आचार सहिंता के कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

बीजेपी लीडर की अश्लील तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल, बदनाम करने का आरोप

अहमदाबाद. गुजरात चुनाव के ठीक पहले बीजेपी नेत्री रेशमा पटेल की अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रेशमा का आरोप है कि उनको बदनाम करने के लिए खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया जा रहा है। अश्लील तस्वीरें वायरल करने के मामले में रेशमा पटेल ने गुजरात के एक युवक को जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, तस्वीरें वायरल होने के बाद पीड़िता रेशमा ने युवक के खिलाफ गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा था कि अगर मामले में सच्चाई सामने आती है तो साइबर क्राइम ब्रांच एफआईआर दर्ज करे। बता दें कि रेशमा पाटीदार आरक्षण आंदोलन में बड़ी भूमिका निभा रही थीं, लेकिन उन्होंने हाल में बीजेपी का दामन थाम लिया था।

सूत्रों की मानें तो इसी वजह से पाटीदारों में उनके खिलाफ काफी नाराजगी का माहौल है।

रेशमा को केशोद या साबरमती का टिकट

ऐसा माना जा रहा है कि बीजेपी में शामिल होने के बाद रेशमा को केशोद या फिर साबरमती से बीजेपी का टिकट मिल सकता है। इन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाटीदारों के नेता हार्दिक पटेल को टिकट का सौदागर बताया है। दूसरी ओर हार्दिक ने एक ट्वीट कर रेशमा पर तीखा हमला भी किया था।

सिंगल मदर हैं रेशमा

रेशमा ने बताया था कि, "मैं सिंगल मदर हूं, मेरे जुड़वा बच्चे हैं, एक बेटा-एक बेटी। पति से अलग रहती हूं। दोनों बच्चों को पति ही संभालते हैं। यदाकदा बच्चों और पति से मिलने जाती रहती हूं। बच्चों को उनके पिता के पास रखकर मैं समाज के लिए काम कर रही हूं।"

मतदान केन्द्रों पर तैनात पुलिस वाहन जीपीएस से लैस होंगे

अहमदाबाद। निर्वाचन आयोग ने राज्यभर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं और अबकि बार पहली दफा मतदान केन्द्रों पर तैनात पुलिस वाहनों को जीपीएस सिस्टम से लैस करने का फैसला किया है। इतना ही नहीं चुनावी स्टाफ की उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम अनिवार्य करने तैयारी कर ली गई है। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम बनानेवाली कंपनी के साथ बातचीत हो चुकी है। बायोमेट्रिक और जीपीएस सिस्टम बनाने वाली कंपनी से क्वोटेशन मंगवाए गए हैं। चुनाव विभाग के सूत्रों के मुताबिक बायोमेट्रिक सिस्टम के जरिए उपस्थिति के अलावा सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

अंधश्रद्धा: बेगुनाही साबित करने के लिए गर्म तेल में हाथ डूबोया

साणंद। यहां के पूर्व विधायक कमशीभाई पटेल के बेटे के पेट्रोल पंप में 6 लाख की चोरी हो गई। शक कर्मचारियों पर ही था। अतएव सभी कर्मचारियों ने खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए जंबुथड़ स्थित मेलडी माता के मंदिर जाकर वहां खौलते तेल में हाथ डाला। आश्चर्य इस बात का है कि किसी को भी कुछ नहीं हुआ। ऐसा उन लोगों ने खुद किया है।

गत 30 अक्टूबर की आधी रात को पेट्रोल पंप से पासवर्ड वाली तिजोरी में 11 लाख 86 हजार 640 रुपए रखे थे। इसमें से 6 लाख रुपए की चोरी हो गई। तिजोरी पासवर्ड वाली थी, इसलिए पूरा शक कर्मचारियों पर ही था। पर कर्मचारियों ने खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए अंधश्रद्धा का सहारा लिया। सभी कर्मचारी जंबुथड़ स्थित मेलडी माता के मंदिर जाकर वहां खौलते तेल में हाथ डाला। चूंकि वे निर्दोष थे, इसलिए किसी को भी कुछ नहीं हुआ। इस संबंध में पेट्रोल पंप के मालिक कनुभाई ने कहा कि कर्मचारियों ने खुद ही ऐसा किया है, उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं था। मैं अंधश्रद्धा पर विश्वास नहीं करता।

सूरत से जोधपुर की फ्लाइट 25 नवंबर से, चेन्नई तक जाएगी

सूरत.जयपुर फ्लाइट के बाद राज-स्थान का मारवाड़ अंचल भी सूरत से सीधी हवाई से जुड़ने जा रहा है। सूरत से जोधपुर की फ्लाइट 25 नवंबर से शुरू हो जाएगी, जो चेन्नई तक जाएगी। सूरत से विमान सेवा से जुड़ने वाला जोधपुर से 14वां और चेन्नई 15वां शहर हो जाएगा। इससे सूरत में रह रहे मारवाड़ के लाखों लोगों को राहत मिलेगी।

सूरत एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार स्पाइस जेट की इस फ्लाइट के लिए शेड्यूल दो दिन में आने की उम्मीद है। नवसारी सांसद सीआर पाटिल ने बताया कि आखिरकार सूरत से अब चेन्नई ,जोधपुर जुड़ने जा रहा है।

ऐसे आएगी-जाएगी फ्लाइट

डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूएएस के मुताबिक सुबह के स्लॉट में चेन्नई से फ्लाइट रवाना होगी, जो गोवा होते हुए सुबह 8.40 सूरत पहुंचेगी और सुबह 9.10 बजे जोधपुर के लिए रवाना होगी। डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूएएस के सदस्य संजय जैन ने बताया कि इवनिंग स्लॉट में जोधपुर से फ्लाइट रवाना होगी और शाम 5.40 बजे सूरत पहुंचेगी। शाम 6. 10 बजे रवाना होकर गोवा होते हुए चेन्नई पहुंचेगी। स्पाइस जेट प्रबंधन ने बताया कि अभी यह सारणी प्रारंभिक स्तर की है।

आर्थिक तंगी के चलते दो संतानों के साथ मां ने लगाई मौत की छलांग

जसदण। आर्थिक तंगी से त्रस्त होकर एक मां ने दो संतानों के साथ कुएं में कूद गई। जिससे तीनों की मौत हो गई। पति को कैंसर था, जिसके चलते उसके इलाज में काफी परेशानी आ रही थी। इसलिए मां ने यह कदम उठाया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। आर्थिक तंगी बरकरार थी।

जसदण के खडवावाडी गांव में रहने वाले रामभाई लेला को कैंसर है। उसके इलाज के लिए घर में हमेशा धन की तंगी रहती थी। इससे परेशान होकर नीरुबेन (23) पुत्र जे निल (4) और जल्पा(2) को लेकर कुएं में कूद गई। कुएं से तीनों की लाश निकाल ली गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

'यहां किसी भी पार्टी का नेता वोट मांगने नहीं आएगा', लगे पोस्टर

वडोदरा। राज्य सरकार द्वारा 10, 20, 50, 100 रुपए के स्टेम्प पेपरवाले निर्माण कार्यों को वैध घोषित करने के बाद भी अभी तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे तरसाली इलाके के रामनगर के नागरिकों ने इस आशय का पोस्टर लगा दिया है कि यहां कोई नेता वोट मांगने नहीं आएगा। नागरिकों ने चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय भी लिया है। कई समस्याएं समाधान की तलाश में।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) **E-mail: krantisamay@gmail.com**